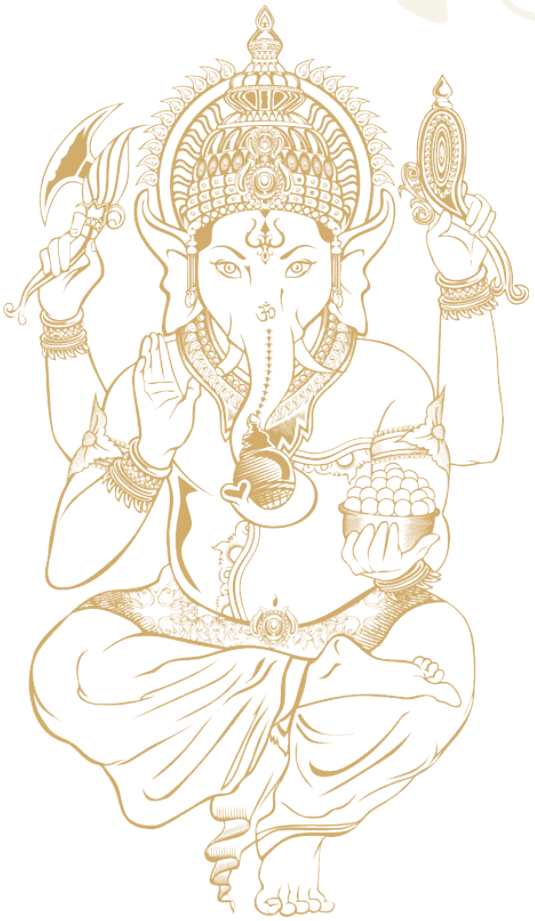

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120409002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/12/1995	जन्म तिथि	04/05/1994
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:10:00	जन्म समय	16:10:00 घंटे
घटी 05:10:58	जन्म समय(घटी)	26:19:12 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Agra
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:36	सूर्योदय	05:37:38
17:29:33	सूर्यास्त	18:52:26
23:48:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 5मा 10दि	05:54:50	मक	लग्न	कन्या	15:12:35	राहु 11वर्ष 8मा 20दि
चन्द्र	06:00:05	धनु	सूर्य	मेष	19:57:26	शनि
01/06/2025	06:46:23	धनु	चंद्र	कुंभ	11:19:00	23/01/2022
02/06/2035	22:43:00	धनु	मंगल	मीन	21:25:17	23/01/2041
चन्द्र 02/04/2026	21:41:06	धनु	बुध	मेष	24:43:21	शनि 26/01/2025
मंगल 01/11/2026	03:26:03	धनु	गुरु व	तुला	15:29:11	बुध 06/10/2027
राहु 02/05/2028	06:40:32	मक	शुक्र	वृष	16:09:42	केतु 14/11/2028
गुरु 01/09/2029	25:00:06	कुंभ	शनि	कुंभ	16:39:42	शुक्र 14/01/2032
शनि 02/04/2031	00:24:34	तुला व	राहु व	वृश्चि	00:04:39	सूर्य 26/12/2032
बुध 31/08/2032	00:24:34	मेष व	केतु व	वृष	00:04:39	चन्द्र 27/07/2034
केतु 01/04/2033	05:00:25	मक	हर्ष व	मक	02:33:25	मंगल 05/09/2035
शुक्र 01/12/2034	00:31:12	मक	नेप व	धनु	29:32:48	राहु 12/07/2038
सूर्य 02/06/2035	07:48:19	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	03:16:47	गुरु 23/01/2041

लग्न-चलित

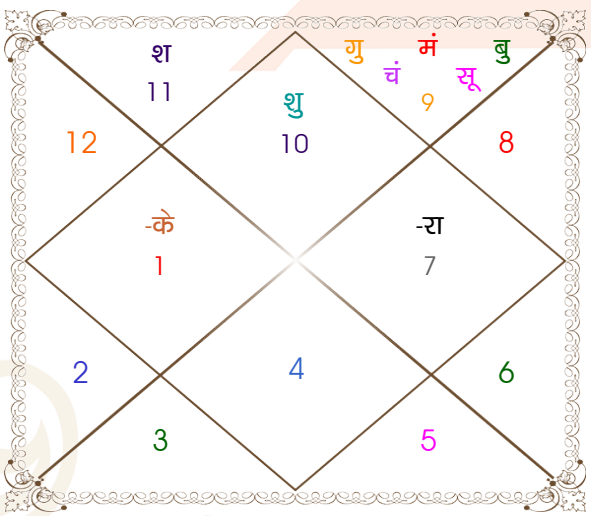

लग्न-चलित

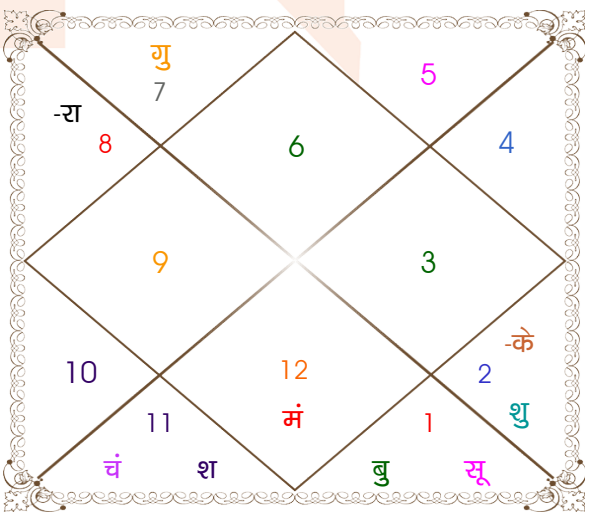

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।